

२६  $\frac{2}{24}$

पशावली ब्रह्मवाड मे आर्षी अथवा मुकट के  
स्वामि के मित्राल लक्ष्मी आदेशक कले प्य  
पेन ही उक्त पुकल मे लक्ष्मि  
ब्रह्मवाड किरी ही युका की कालि  
आदेशक अर रसा का कार्य आदेश  
गरी की अर: आर्षी का आदेशक  
अर रसा का अथवा मित्राल  
की पशावली ब्रह्मवाड मुकट लेकर  
गच्छते का होकर दक्षिण  
पश्चिम ही)

१५३

१५५